Prof. (Dr.) Sanjay Kumar
Department of Psychology
Maharaja college, Ara

प्रतिभाशाली (गिफ्टेड) बच्चों का सीखना और समायोजन

प्रतिभाशाली (गिफ्टेड) बच्चों का सीखना और समायोजन एक जटिल प्रक्रिया है, जो उनकी विशेष क्षमताओं, सीखने की गति, और सामाजिक-भावनात्मक आवश्यकताओं पर निर्भर करता है। ऐसे बच्चे बौद्धिक, रचनात्मक और सामाजिक-भावनात्मक रूप से अन्य बच्चों से अलग हो सकते हैं। उनकी सीखने की क्षमता तेज़ होती है, लेकिन उनके समायोजन की प्रक्रिया कई चुनौतियों से भरी हो सकती है। सही मार्गदर्शन से उन्हें अपने पूरे संभावित स्तर तक पहुंचने में मदद की जा सकती है।

प्रतिभाशाली बच्चों की प्रकृति

1. तेज़ गति से सीखना – ये बच्चे सामान्य बच्चों की तुलना में जल्दी सीखते हैं और गहरी समझ विकसित करते हैं।

2. उच्च जिज्ञासा – वे विभिन्न विषयों में गहरी रुचि रखते हैं और जटिल समस्याओं को हल करने में आनंद लेते हैं।

3. रचनात्मक सोच – ये बच्चे नवाचार और नए विचारों को विकसित करने में सक्षम होते हैं।

4. स्वतंत्र अध्ययन – वे अक्सर स्व-प्रेरित होते हैं और अपने दम पर सीखने में रुचि रखते हैं।

प्रतिभाशाली बच्चों के सीखने का तरीका

(क) बौद्धिक विशेषताएँ

1. तेज़ सोचने और सीखने की क्षमता – वे नई चीजें बहुत तेजी से समझते हैं और गहरी जानकारी की खोज में रहते हैं।

2. गहरी जिज्ञासा – वे "क्यों" और "कैसे" पर गहराई से विचार करते हैं और सवाल पूछते रहते हैं।

3. समस्या समाधान में कुशलता – वे जटिल समस्याओं को सुलझाने के नए तरीके खोजने में सक्षम होते हैं।

4. स्वतंत्र विचारक – वे नियमों और सीमाओं पर सवाल उठा सकते हैं और अपनी सोच को प्राथमिकता देते हैं।

5. असामान्य याददाश्त – वे लंबे समय तक जानकारी याद रख सकते हैं और उसे विभिन्न संदर्भों में लागू कर सकते हैं।

(ख) सीखने की चुनौतियाँ

1. कक्षा में ऊब महसूस करना – यदि पाठ्यक्रम बहुत सरल है, तो वे रुचि खो सकते हैं और ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते।

Edit with WPS Office

2. गहराई से सीखने की इच्छा – वे केवल सतही ज्ञान से संतुष्ट नहीं होते और अधिक विस्तार से जानना चाहते हैं।

3. एक ही गति से सीखने की बाध्यता – अन्य बच्चों की तुलना में तेज़ी से सीखने के कारण वे कक्षा की सामान्य गति से बंधे होने पर निराश हो सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक समायोजन

(क) सामाजिक चुनौतियाँ

1. हमउम्र बच्चों से अलग महसूस करना – उनकी गहरी रुचियाँ और परिपक्व सोच अन्य बच्चों से मेल नहीं खा सकतीं।

2. दोस्ती में कठिनाई – वे अपने हमउम्र बच्चों की रुचियों से मेल न खाने के कारण अकेलापन महसूस कर सकते हैं।

3. प्राधिकरण पर सवाल उठाना – वे माता-पिता, शिक्षक या समाज के नियमों पर सवाल उठा सकते हैं, जिससे कभी-कभी संघर्ष हो सकता है।

(ख) भावनात्मक चुनौतियाँ

1. संवेदनशीलता और आत्म-चेतना – वे अपनी गलतियों या असफलताओं से अधिक प्रभावित हो सकते हैं।

2. उच्च आदर्शवाद – वे नैतिकता और न्याय को लेकर गहराई से सोचते हैं और दुनिया की समस्याओं को लेकर चिंतित रह सकते हैं।

3. पूर्णता (Perfectionism) की प्रवृत्ति – वे खुद से बहुत अधिक उम्मीदें रखते हैं, जिससे कभी-कभी तनाव और चिंता हो सकती है।

(ग) समायोजन की चुनौतियाँ

1. सामाजिक अलगाव – उनकी अलग सोच और रुचियों के कारण वे हमउम्र बच्चों से मेल नहीं बैठा पाते।

2. भावनात्मक संवेदनशीलता – वे दूसरों की तुलना में अधिक संवेदनशील हो सकते हैं और असफलता से अधिक प्रभावित होते हैं।

3. स्कूल में उपयुक्त चुनौतियों की कमी – कई बार सामान्य पाठ्यक्रम उनकी क्षमताओं के अनुरूप नहीं होता, जिससे वे ऊब सकते हैं।

4. उच्च अपेक्षाएँ – माता-पिता और शिक्षकों की अत्यधिक उम्मीदें उन पर मानसिक दबाव डाल सकती हैं।

समायोजन और सहायता के उपाय

1. उन्नत पाठ्यक्रम (Enrichment Programs) – विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए कार्यक्रम उनकी क्षमताओं को

Edit with WPS Office

विकसित करने में मदद कर सकते हैं।

2. मनोवैज्ञानिक समर्थन – परामर्श (काउंसलिंग) और भावनात्मक सहायता से वे अपने विचारों और भावनाओं को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं।

3. समान रुचि वाले समूह – उनकी तरह के अन्य बच्चों के साथ मिलकर काम करने से सामाजिक समायोजन आसान होता है।

4. शिक्षकों और माता-पिता का सहयोग – उनकी जरूरतों को समझकर सही मार्गदर्शन और प्रेरणा देना आवश्यक है।

समायोजन के लिए समाधान और रणनीतियाँ

(क) स्कूल स्तर पर

1. उन्नत पाठ्यक्रम (Advanced Curriculum) – उन्हें अधिक चुनौतीपूर्ण कार्य दिए जाएं, ताकि वे अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग कर सकें।

2. स्वतंत्र प्रोजेक्ट्स – उनकी रुचि के अनुसार रिसर्च और स्वतंत्र अध्ययन करने की सुविधा दी जाए।

3. तेज़-गति वाली कक्षाएं (Acceleration) – यदि वे किसी विषय में आगे हैं, तो उन्हें उच्च कक्षा में पढ़ने का अवसर दिया जाए।

4. शिक्षकों का प्रशिक्षण – शिक्षकों को गिफ्टेड बच्चों की विशेष आवश्यकताओं को समझने और उनके अनुरूप शिक्षण देने के लिए प्रशिक्षित किया जाए।

(ख) परिवार और समाज में

1. माता-पिता का सहायक दृष्टिकोण – उन पर अत्यधिक दबाव न डालें, बल्कि उनकी रुचियों को प्रोत्साहित करें।

2. भावनात्मक समर्थन – उनकी संवेदनशीलता को समझें और उन्हें आत्म-स्वीकृति सिखाएं।

3. समान रुचि वाले समूह – ऐसे बच्चों के लिए विशेष समूह, क्लब या कार्यशालाओं में शामिल किया जाए, जिससे वे दूसरों से जुड़ सकें।

4. परामर्श और मार्गदर्शन (Counseling) – यदि वे सामाजिक या भावनात्मक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, तो पेशेवर सहायता उपलब्ध कराई जाए।

प्रतिभाशाली बच्चों को सही दिशा में मार्गदर्शन और उपयुक्त शैक्षणिक वातावरण देकर उनके सीखने और समायोजन को सुगम बनाया जा सकता है। ऐसे बच्चों को विशेष ध्यान और उचित मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। सही शिक्षा, सहयोग और प्रेरणा के माध्यम से वे अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग कर सकते हैं और समाज में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं।

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office